दिनांक 06-07-2010

पवन जैन की बी एस एन एल से बिदाई

उप महा प्रबन्धक श्री पी.के.जैन (श्री पवन जैन) को बी एस एन एल से स्थानान्तरित करके डीओटी के टर्म सैल महाराष्ट्र में पदस्थ करने के आदेश हो गए हैं। खबर है कि एक सप्ताह के अन्दर उनकी बी एस एन एल से बिदाई हो जावेगी।

श्री पी.के. जैन उपमहाप्रबन्धक (मेन्टेनेन्स) के पद पर लगभग विगत 10 सालों से जबलपुर में पदस्थ थे। बी एस एन एल में उप महा प्रबन्धक (मेन्टेनेन्स) का पद एक संवेदनशील पद है तथा इस पद को धारण करने वाले अधिकारी के पास स्वतंत्र कार्यालय होता है। यह कार्यालय, किसी किसी सर्किल में पूरे प्रान्त का तथा मध्य प्रदेश जैसे बड़े सर्किल में लगभग आधे प्रान्त में बी एस एन एल की लाइनों के मेन्टेनेन्स (रख–रखाव) की जिम्मेदारी वहन करता है। मेन्टेनेन्स के क्षेत्र में ठेकेदारी प्रथा का काफी बोलबाला होता है।

इस प्रकार जबलपुर में उप महा प्रबन्धक के पद पर पदस्थ श्री पी.के.जैन, विगत लगभग 10 सालों से मध्य प्रदेश के लगभग 22 जिलों में, बीएसएनएल की टेलीफोन लाइनों, ओएफसी केबिल, आईपीटीव्ही, एसटीडी, फेक्स, हॉट लाइन, बैंक सेवाएं, एटीएम आदि का रख रखाव करने वाले कार्यालय के प्रमुख के पद पर पदस्थ रहे हैं। मुख्य सतर्कता आयुक्त नई दिल्ली के आदेशों का यदि पालन किया जाता तो श्री पी.के.जैन को जबलपुर में 4–5 साल से अधिक की अवधि के लिए पदस्थ करके नहीं रखा जा सकता था। किन्तु श्री पी.के.जैन को लगातार लगभग 10 सालों तक, जहां करोड़ों रूपयों का पेमेंट ठेकेदारों को किया गया होगा, क्यों पदस्थ करके रखा गया था, इस विषय में अभी छान–बीन चल रही है।

उल्लेखनीय है कि श्री पी.के.जैन उप महा प्रबन्धक के विरूद्व आरोपित भ्रष्ट आचरण तथा कर्मचारी विरोधी कार्यवाहियों के खिलाफ यूनाईटेड फोरम जबलपुर ने अगस्त 2009 से दिसम्बर 2009 तक लगभग 100 दिन तक आन्दोलन चलाया था तथा श्री पी.के.जैन, उप महा प्रबन्धक द्वारा की गई आर्थिक अनियमितताओं तथा आरोपित भ्रष्ट आचरण का कच्चा चिट्ठा बी एस एन एल के सीएमडी को भी सौंपा था। हमारी जानकारी के अनुसार उप महा प्रबन्धक श्री जैन के विरूद्व आरोपित गतिविधियों की जांच दिल्ली स्तर पर चल रही है। इसी दौरान बी एस एन एल मुख्यालय नई दिल्ली ने उपमहाप्रबन्धक श्री पी.के.जैन को बी एस एन एल से बाहर कर दिया है।

श्री पी.के.जैन, उप महा प्रबन्धक पर जिस प्रकार की आर्थिक अनियमितताओं तथा भ्रष्ट आचरण के आरोप हैं, उनसे पीछा छुड़ाना कठिन होता है। कहा तो यहां तक जाता है कि आर्थिक अनियमितताओं तथा भ्रष्ट आचरण के आरोपों से घिरा हुआ अधिकारी स्थानांतरण हो जाने के बाद भी चैन की रातें नहीं गुजार पाता है। अब देखना यह है कि श्री पवन जैन (श्री पी.के.जैन) डीजीएम के विषय में यह कहावत कहां तक सही बैठती है।

बहरहाल हमारी यूनियन तथा यूनाइटेड फोरम, मध्य प्रदेश, श्री पी.के.जैन की बी एस एन एल से बिदाई को, बी एस एन एल के अच्छे स्वास्थ्य के लिए एक अच्छा कदम मानती है।

एस.आर.नायक
परिमंडल सचिव BSNLEU
एवं
संयोजक यूनाइटेड फोरम,मध्य प्रदेश